अधिकतम तापमान 33.c 27.c न्तम तापमान

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

स्ती एवं नकारात्मक राजनीति है लेटरल एंट्री का विरोध

गायकी के बाद अब अभिनय से लोगों का

अंक :203 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ , शनिवार 24 अगस्त 2024 पृष्ठ : 08

प्राकृतिक विधि से करें धान फसल में कीट प्रबंधन:डॉ जगदीश किशोर

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर , सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में तना भेदक कीट जमीन से ढाई से तीन इंच की ऊंचाई पर पौधों के तनों में छेद कर देता है ।जिससे पौधा भूरे रंग का तथा चाबुक नुमा पौधे की पत्तियां दिखाई देती हैं । साथ ही धान का उत्पादन प्रभावित होता है ।उन्होंने सलाह दी है कि किसान भाई नीम ऑयल 100 मिली.एक एकड़ में छिड़काव कर दें। तथा तना भेदक कीट के पूवार्नुमान हेतु एक एकड़ क्षेत्रफल में 6 से 8 फेरोमैन ट्रैप भी लगा दें ।डॉक्टर जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में रस चूसने वाले कीट भी लगते हैं इसके प्रबंधन के लिए खेत की सूखी मिट्टी या रख का छिड़काव कर देना चाहिए ।डॉक्टर जगदीश किशोर ने पांच दिवसीय प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को खेतों पर प्रयोग करके भी दिखाए ।इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी डॉक्टर साधना वैश्य एवं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया तथा कहा कि प्राकृतिक खेती करने से फसल उत्पादन की गुणवत्ता अच्छी रहती है ।

डाक पंजीयन संख्या : GPOLW/NP-110/2015-17 R.N.I. No. UPHIN/2013/54341

द स्वाई ऑफ इण्डिया

लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, सुल्तानपुर, कन्नौज, कानपुर, प्रयागराज, रायबरेली, जालौन, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 ■ अंक 287 हिन्दी दैनिक ■ लखनऊ, शनिवार, 24 अगस्त 2024 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य 1.00

प्राकृतिक विधि से करें धान फसल में कीट प्रबंधन- डॉक्टर जगदीश किशोर

संवाददाता, कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में तना भेदक कीट जमीन से ढाई से तीन इंच की ऊंचाई पर पौधों के तनों में छेद कर देता है।जिससे पौधा भूरे रंग का तथा चाबुक नुमा पौधे की पत्तियां दिखाई देती हैं। साथ ही धान का उत्पादन प्रभावित होता है।उन्होंने सलाह दी है कि किसान भाई नीम ऑयल 100 मिली.एक एकड़ में छिड़काव कर दें। तथा तना भेदक कीट के पूर्वानुमान हेतु एक एकड़ क्षेत्रफल में 6 से 8 फेरोमैन ट्रैप भी लगा दें।डॉक्टर जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में रस चूसने वाले कीट भी लगते हैं इसके प्रबंधन के लिए खेत की सूखी मिट्टी या रख का छिड़काव कर देना चाहिए।डॉक्टर जगदीश किशोर ने पांच दिवसीय प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को खेतों पर प्रयोग करके भी दिखाए।इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी डॉक्टर साधना वैश्य एवं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया तथा कहा कि प्राकृतिक खेती करने से फसल उत्पादन की गुणवत्ता अच्छी रहती है।जो मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभदायक एवं पर्यावरण हितैषी है। इस अवसर पर क्षेत्र के कई किसानों ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शनिवार • 24 अगस्त • 2024

धान फसल के प्रबंधन संबंधी बताये उपाय

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि विवि के कृषि विज्ञान केंद्र में पांच दिनी प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने धान की फसल के प्रबंधन के तरीके बताये और कृषकों को खेतों पर प्रयोग करके भी दिखाए।

कृषि वैज्ञानिक डॉ.जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में तना भेदक कीट जमीन से ढाई से तीन इंच की ऊंचाई पर पौधों के तनों में छेद कर देता है। जिससे पौधा भूरे रंग का तथा चाबुक नुमा पौधे की पत्तियां दिखाई देती है। साथ ही धान का उत्पादन प्रभावित होता है। उन्होंने सलाह दी है कि किसान नीम ऑयल 100 मिली एक एकड़ में छिड़काव कर दें तथा तना भेदक कीट के पूर्वानुमान हेतु एक एकड़ क्षेत्रफल में 6 से 8 फेरोमोन ट्रैप भी लगा दें। उन्होंने बताया कि धान की फसल में रस चूसने वाले कीट भी लगते हैं इसके प्रबंधन के लिए खेत की सूखी मिट्टी या राख का छिड़काव कर देना चाहिए। इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी डॉ.साधना वैश्य एवं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ.विनोद सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया तथा कहा कि प्राकृतिक खेती करने से फसल उत्पादन की गुणवत्ता अच्छी रहती है।

आज

24/08/2024

प्राकृतिक विधि से करें धान फसल में कीट प्रबंधन

फसल सुरक्षा वैज्ञानिक ने किसानों को दी जानकारी

फसलों में कीट के बारे में जानकारी देते वैज्ञानिक।

कानपुर, 23 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय की ओर संचालित थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में तना भेदक कीट जमीन से ढाई से तीन इंच की ऊंचाई पर पौधों के तनों में छेद कर देता है।जिससे पौधा भूरे रंग का तथा चाबुक नुमा पौधे की पत्तियां दिखाई देती हैं। साथ ही धान का उत्पादन प्रभावित होता है।उन्होंने सलाह दी है कि किसान भाई नीम ऑयल 100 मिली.एक एकड़ में छिड़काव कर दें। तथा तना भेदक कीट के पूर्वानुमान हेतु एक एकड़ क्षेत्रफल में 6 से 8 फेरोमैन ट्रैप भी लगा दें।डॉक्टर जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में रस चूसने वाले कीट भी लगते हैं इसके प्रबंधन के लिए खेत की सूखी मिट्टी या रख का छिड़काव कर देना चाहिए।डॉक्टर जगदीश किशोर ने पांच दिवसीय प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को खेतों पर प्रयोग करके भी दिखाए।इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी डॉक्टर साधना वैश्य एवं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया तथा कहा कि प्राकृतिक खेती करने से फसल उत्पादन की गुणवत्ता अच्छी रहती है।जो मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभदायक एवं पर्यावरण हितैषी है। इस अवसर पर क्षेत्र के कई किसानों ने प्रतिभाग किया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेंडरिंग निविदा सूचना

सं. 53/2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई–टेंडरिंग) के माध्यम से "**खुली**" निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्र.सं. 1; कार्य का विवरण:** इज्जतनगर डिवीजन के कासगंज–

अमर भारती
एक उम्मीद
प्रदेश, 06 संस्करण
पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com शनिवार, 24 अगस्त 2024 शक संवत् 1946,

प्राकृतिक विधि से करें धान की फसल में कीट प्रबंधनः डॉ. किशोर

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में तना भेदक कीट जमीन से ढाई से तीन इंच की ऊंचाई पर पौधों के तनों में छेद कर देता है।जिससे पौधा भूरे रंग का तथा चाबुक नुमा पौधे की पत्तियां दिखाई देती हैं। साथ ही धान का उत्पादन प्रभावित होता है।उन्होंने सलाह दी है कि किसान भाई नीम ऑयल 100 मिली.एक एकड़ में छिड़काव कर दें। तथा तना भेदक कीट के पूर्वानुमान हेतु एक एकड़ क्षेत्रफल में 6 से 8 फेरोमैन ट्रैप भी लगा दें। इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी डॉक्टर साधना वैश्य एवं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया तथा कहा कि प्राकृतिक खेती करने से फसल उत्पादन की गुणवत्ता अच्छी रहती है। जो मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभदायक एवं पर्यावरण हितैषी है।

प्राकृतिक विधि से करें धान फसल में कीट प्रबंधन-डॉ जगदीश किशोर

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में तना भेदक कीट जमीन से ढाई से तीन इंच की ऊंचाई पर पौधों के तनों में छेद कर देता है।जिससे पौधा भूरे रंग का तथा चाबुक नुमा पौधे की पत्तियां दिखाई देती हैं साथ ही धान का उत्पादन प्रभावित होता है उन्होंने सलाह दी है कि किसान भाई नीम ऑयल 100 मिली.एक एकड़ में छिड़काव कर दें तथा तना भेदक कीट के पूर्वानुमान हेतु एक एकड़ क्षेत्रफल में 6 से 8 फेरोमैन ट्रैप भी लगा दें डॉक्टर जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में रस चूसने वाले कीट भी लगते हैं इसके प्रबंधन के लिए खेत की सूखी मिट्टी या रख का छिड़काव कर देना चाहिए डॉक्टर जगदीश किशोर ने पांच दिवसीय प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को खेतों पर प्रयोग करके भी दिखाए इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी डॉक्टर साधना वैश्य एवं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया तथा कहा कि प्राकृतिक खेती करने से फसल उत्पादन की गुणवत्ता अच्छी रहती है।जो मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभदायक एवं पर्यावरण हितैषी है इस अवसर पर क्षेत्र के कई किसानों ने प्रतिभाग किया।

सत्य का असर समाचार पत्र

24,08, 2024jksingh,hardoi agmail com मोबाइल नंबर 9956834016

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

प्राकृतिक विधि से करें धान फसल में कीट प्रबंधन:डॉक्टर जगदीश किशोर

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में तना भेदक कीट जमीन से ढाई से तीन इंच की ऊंचाई पर पौधों के तनों में छेद कर देता है।जिससे पौधा भूरे रंग का तथा चाबुक नुमा पौधे की पत्तियां दिखाई देती हैं। साथ ही धान का उत्पादन प्रभावित होता है।उन्होंने सलाह दी है कि किसान भाई नीम ऑयल 100 मिली.एक एकड़ में छिड़काव कर दें। तथा तना भेदक कीट के पूर्वानुमान हेतु एक एकड़ क्षेत्रफल में 6 से 8 फेरोमैन ट्रैप भी लगा दें।डॉक्टर जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में रस चूसने वाले कीट भी लगते हैं इसके प्रबंधन के लिए खेत की सूखी मिट्टी या रख का छिड़काव कर देना चाहिए। डॉक्टर जगदीश किशोर ने पांच दिवसीय प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को खेतों पर प्रयोग करके भी दिखाए।इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी डॉक्टर साधना वैश्य एवं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया तथा कहा कि प्राकृतिक खेती करने से फसल उत्पादन की गुणवत्ता अच्छी रहती है।जो मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभदायक एवं पर्यावरण हितैषी है। इस अवसर पर क्षेत्र के कई किसानों ने प्रतिभाग किया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 55 कानपुर, शनिवार 24 अगस्त 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

प्राकृतिक विधि से करें धान फसल में कीट प्रबंधन : डॉ जगदीश किशोर

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में तना भेदक कीट जमीन से ढाई से तीन इंच की ऊंचाई पर पौधों के तनों में छेद कर देता है।जिससे पौधा भूरे रंग का तथा चाबुक नुमा पौधे की पत्तियां दिखाई देती हैं। साथ ही धान का उत्पादन प्रभावित होता है।उन्होंने सलाह दी है कि किसान भाई नीम ऑयल 100 मिली.एक एकड़ में छिड़काव कर दें। तथा तना भेदक कीट के पूर्वानुमान हेतु एक एकड़ क्षेत्रफल में 6 से 8 फेरोमैन ट्रैप भी लगा दें।डॉक्टर जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में रस चूसने वाले कीट भी लगते हैं इसके प्रबंधन के लिए खेत की सूखी मिट्टी या रख का छिड़काव कर देना चाहिए।डॉक्टर जगदीश किशोर ने पांच दिवसीय प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को खेतों पर प्रयोग करके भी दिखाए।इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी डॉक्टर साधना वैश्य एवं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया तथा कहा कि प्राकृतिक खेती करने से फसल उत्पादन की गुणवत्ता अच्छी रहती है।जो मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभदायक एवं पर्यावरण हितैषी है। इस अवसर पर क्षेत्र के कई किसानों ने प्रतिभाग किया।

प्राकृतिक विधि से करें धान फसल में कीट प्रबंधन : डॉ. जगदीश किशोर

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति DR. आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में तना भेदक कीट जमीन से ढाई से तीन इंच की ऊंचाई पर पौधों के तनों में छेद कर देता है।जिससे पौधा भूरे रंग का तथा चाबुक नुमा पौधे की पत्तियां दिखाई देती हैं। साथ ही धान का उत्पादन प्रभावित होता है।उन्होंने सलाह दी है कि किसान भाई नीम ऑयल 100 मिली.एक एकड़ में छिड़काव कर दें। तथा तना भेदक कीट के पूर्वानुमान हेतु एक एकड़ क्षेत्रफल में 6 से 8 फेरोमैन ट्रैप भी लगा दें।डॉक्टर जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में रस चूसने वाले कीट भी लगते हैं इसके प्रबंधन के लिए खेत की सूखी मिट्टी या रख का छिड़काव कर देना चाहिए।डॉक्टर जगदीश किशोर ने पांच दिवसीय प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को खेतों पर प्रयोग करके भी दिखाए।इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी डॉक्टर साधना वैश्य एवं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया तथा कहा कि प्राकृतिक खेती करने से फसल उत्पादन की गुणवत्ता अच्छी रहती है।जो मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभदायक एवं पर्यावरण हितैषी है। इस अवसर पर क्षेत्र के कई किसानों ने प्रतिभाग किया।

महानगर
वर्ष-3, अंक-349, पृष्ठः 12
मूल्यः एक रुपये

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

RNI/NO/UPHIN49792/16/4/2021

सच की अहमियत

हर सवेरे नया जोश

कानपुर | शनिवार, 24 अगस्त 2024 | कानपुर, लखनऊ, उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित | सूचना प्रसारण मंत्रालय एवं भारत सरकार द्वारा रजिस्ट

प्राकृतिक विधि से करें धान फसल में कीट प्रबंधन : डॉ जगदीश किशोर

पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

कानपुर। थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में तना भेदक कीट जमीन से ढाई से तीन इंच की ऊंचाई पर पौधों के तनों में छेद कर देता है।जिससे पौधा भूरे रंग का तथा चाबुक नुमा पौधे की पत्तियां दिखाई देती हैं साथ ही धान का उत्पादन प्रभावित होता है उन्होंने सलाह दी है कि किसान भाई नीम ऑयल 100 मिली.एक एकड़ में छिड़काव कर दें तथा तना भेदक कीट के पूर्वानुमान हेतु एक एकड़ क्षेत्रफल में 6 से 8 फेरोमैन ट्रैप भी लगा दें डॉक्टर जगदीश किशोर ने बताया कि धान की फसल में रस चूसने वाले कीट भी लगते हैं इसके प्रबंधन के लिए खेत की सूखी मिट्टी या रख का छिड़काव कर देना चाहिए डॉक्टर जगदीश किशोर ने पांच दिवसीय प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को खेतों पर प्रयोग करके भी दिखाए इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी डॉक्टर साधना वैश्य एवं वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया तथा कहा कि प्राकृतिक खेती करने से फसल उत्पादन की गुणवत्ता अच्छी रहती है।जो मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभदायक एवं पर्यावरण हितैषी है इस अवसर पर क्षेत्र के कई किसानों ने प्रतिभाग किया।